year's Budget, sanctioned another help of Rs. 10 lakhs, even to help the States of the North-east to prepare their proposals for ....

MR. CHAIRMAN: That is enough... *(Interruptions)*....Next Question No. 82.

Upgradation of Biju Patnaik Airport, Bhubaneswar

*82. SHRI RUDRA NARAYAN PANY: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is proposed to upgrade Biju Patnaik airport (Bhubaneswar) in Orissa to the international standards;

(b) if so, the details thereof;

(c) the time-frame within which the above project would be initiated and completed; and

(d) whether during this upgradations scheme a sizeable number of temporary workers working now shall be made permanent?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI PRAFUL PATEL): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) and (c) Bhubaneswar airport has been identified as one of the 35 non-metro airports for development of international standards. Various development works like construction of additional parking stands with associated taxiway, new integrated terminal complex and new technical block cum control tower have been planned with expected year of completion by 2010.

(d) No, Sir.

श्री रुद्रनारायण पाणि : धन्यवाद सभापति महोदय। उड़ीसा के साथ हर दृष्टि से भेदभाव हो रहा है। मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में माना है कि 35 नॉन मेट्रो में भुवनेश्वर को डेवलेप करेंगें। लेकिन 2010 तक कुछ करेंगे और करेंगे तो क्या करेंगे, टैक्सी स्टैंड का डेवलेपमेंट करेंगे। करेंगे, तो क्या करेंगे पार्किंग स्पेस का डेवलेपमेंट करेंगे। मंत्री जी इतने नौजवान हैं, मंत्री जी इतने तेज हैं,

अगर आपको करना है तो एक एयरक्राफट मेंटिनेंस यूनिट वहां पर कम से कम बना दीजिए, क्योंकि उड़ीसा टूरिज्म की दृष्टि से काफी प्रोटेंशियल रखने वाला राज्य है...।

श्री सभापति : ठीक है, ठीक हैं आपका प्रश्न हो गया।

श्री रुद्रनारायण पाणि : विशेषकर के साउथ ईस्ट एशिया के और ईस्टर्न एशिया के जापान ...(व्यवधान)... भाषण नहीं, मैं तो ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आपने क्वेश्चन पूछ लिया, उसका जवाब आने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि : महोदय, मैं प्रश्न पूछ रहा हूं। प्रश्न की छोटी-मोटी भूमिका भी होनी चाहिए।

श्री सभापति : भूमिका की जरूरत नहीं है आप समझदार हैं और आपसे ज्यादा मंत्री महोदय समझदार हैं। ...(व्यवधान)...क्वेश्चन पूछ लीजिए, जवाब मिल जाएगा। ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि : सभापति महोदय, उड़ीसा में Buddhist टूरिज्म का एक विशेष स्थान हैं विशेषकर के साउथ ईस्ट एशिया में जो Buddhist टूरिज्म रहते हैं, आज के जमाने में वह काफी रिच बन गए हैं। वे खुद अपने निजी प्लेन, निजी विमान लेकर भुवनेश्वर आने के लिए तैयार हैं अगर भुवनेश्वर में एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस यूनिट बनाते हैं, तो अभी जो एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है...।

श्री सभापति : इसका जवाब दीजिएगा ...(व्यवधान)... ठीक है, ठीक है, आपका प्रश्न हो गया। मंत्री जी, आप जवाब दीजिए। मंत्री महोदय, आप सुन लें, टालने वाला जवाब नहीं चाहिए, करने वाला जवाब चाहिए।

श्री प्रफुल्ल पटेल : सभापति महोदय, मैं पहले कुछ तो खुलासा करूं। कुछ खुलासा करना तो बहुत जरूरी हैं यहां एक थोड़ी परिभाषा में हमारे मित्र ने टैक्सी स्टैंड की बात कही, वहां पर पार्किंग स्टैंड बन रहा है और टैक्सीवे बन रहा है, टैक्सी स्टैंड नहीं बन रहा हैं ...(व्यवधान)... हवाई जहाज जहां खड़ा रहता है, उसे स्टैंड बोलते हैं, तो हम हवाई जहाज का स्टैंड बना रहे हैं, टैक्सी का स्टैंड नहीं बना रहे हैं।...(व्यवधान)... मुझे उम्मीद है कि माननीय सदस्य संतुष्ट होंगे कि स्टैंड और टैक्सीवे में यह फर्क हैं

श्री सभापति : आप दोनों बना दीजिए। ...(व्यवधान)... उनकी भी बात रह जाए और आपकी भी बात रह जाए। ...(व्यवधान)...

श्री प्रफुल्ल पटेल : महोदय, वहां हवाई अड्डा है, इसलिए टैक्सी स्टैंड बड़ा होगा ही। ...(व्यवधान)... इसमें कोई मजाक की बात नहीं है, आपका प्रश्न उचित हैं भुवनेश्वर के बीजू पटनायक हवाई अड्डे का विस्तार होना चाहिए, अन्तर्राष्ट्रीय दर्जे का होना चाहिए और

इसके लिए जो भी जरूरी उपाय हैं, वे हमें पूरे करने चाहिएं, इसमें कोई दो राय नहीं हैं मेरे उत्तर में कहीं ऐसा नहीं कहा गया है कि हम इस को पूरा नहीं कर रहे हैं। मेरे उत्तर में स्पष्ट है कि हम इसको अन्तर्राष्ट्रीय दर्जे का बनाना चाहते हैं कि नहीं और इसका जवाब है ''हां''। सवाल यह है कि इस हवाई अड्डे को 35 जो नॉन मेट्रो हवाई अड्डे दूसरे चरण में लिए गए हैं, दूसरे चरण का मतलब यह नहीं है कि वह 2010 के बाद होगा, इस दूसरे चरण को 2010 के भीतर पूरा करने की योजना है, उसमें इस हवाई अड्डे का समावेश किया गया हैं आपने जो कुछ यहां पर पढ़ा है और जिसका उल्लेख यहां पर किया है, जो काम आलरेडी चल रहे हैं या होने जा रहे हैं उसके बारे में विवरण दिया गया हैं मैं कृपया आपसे यह कहना चाहूंगा कि बीजू पटनायक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भुवनेश्वर भविष्य में जरूर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनेगा। लेकिन पहले तो इस हवाई अड्डे के रनवे का जो एक्सपेंशन है, उसको आलरेडी हमने 9 हजार फीट के रनवे के हिसाब से किया हुआ है, जिससे कि काफी बड़े हवाई जहाज वहां उतर सकें और आगे आप जो भी उपाय चाहते हैं, The State Government has requested the AAI to intimate the additional land requirement for extension of runway to 10,000 feet or more. इसके लिए आलरेडी हमारी स्टेट गवर्नमेंट से बातचीत हो रही हैं एक बार यह जो जमीन का मसला है, यह हल हो जाएगा, तो हवाई अड्डा भी बड़ा हो जाएगा और आप जो चाहते हैं, जिस भावना के अनुरूप आपने यह सवाल पूछा है, उसको पूरा किया जाएगा और 2010 के भीतर यह काम पूरा हो जाएगा।

श्री रुद्रनारायण पाणि: सर, एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस यूनिट के बारे में पूछना चाहता हूं। मंत्री जी पहले सप्लीमेंट्री प्रश्न के उत्तर में जितना बोले, वह बोले। सर, हम मजदूर क्षेत्र से आते हैं, चाहे टैक्सीवे हो या टैक्सी स्टैंड, यह हमारी समझ में नहीं आता हैं ...(व्यवधान)... सर, हम गरीब, मजदूर क्षेत्र से आते हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बोलिए, बोलिए। वे समझ रहे हैं।

श्री रुद्रनारायण पाणि: टैक्सी स्टैंड, टैक्सी वे हमारी समझ में नहीं आता हैं

श्री सभापति: आपको छूट है, समझ में आए या न आए, आप बोलते जाओ।

श्री रुद्रनारायण पाणि: सर, मेरे प्रश्न के भाग ''घ'' में जो मैंने प्रश्न किया है, उसका उत्तर मंत्री जी ने ''ना'' में दिया हैं इतना बड़ा काम हमारे तेज और नौजवान मंत्री कर रहे हैं, मेरा कहने का मतलब है कि वहां पर जो कैजुअल मजदूर हैं—मेरे वामपंथी मित्र सीताराम येचुरी जी मेरी सहायता करेंगे—उन मजदूरों को परमानेंट करने के संबंध में मंत्री जी ने ''ना'' में उत्तर क्यों दिया है? जितने भी सौ डेढ़ सौ कैजुअल मजदूर वहां पर हैं — वहां पर मेरी बी एम एस की यूनियन है, वहां पर सीटू की यूनियन है — उनके संबंध में मेरा आपसे मार्मिक निवेदन है कि हजारों-करोड़ों रुपए का काम आप कर रहे हैं किन्तु कैजुअल मजदूरों को आप परमानेंट क्यों नहीं कर रहे? महोदय, साधारणत: विमान यात्रा के संबंध में कहा जाता है कि उसमें धनी लोगों का आना-जाना वहां होता हैं धनी लोगों के आवागमन में गरीब व्यक्ति सौ रुपए तनख्वाह लेकर एक दिन काम करता है, आप उस कैजुअल मजदूर को परमानेंट क्यों नहीं कर रहे? कृपया इस संबंध में हमें बताएं।

श्री प्रफुल्ल पटेल: महोदय, एयरक्राफ्ट रिपेयरिंग की यूनिट का जहां तक सवाल है, सरकार की ओर से या एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से यह मेनडेट नहीं किया जाता। अगर किसी भी एयरलाइन कम्पनी को या निजी क्षेत्र में किसी को भी वहां एयारक्राफ्ट मैंटेनेंस के लिए कोई फैसेलिटी बनानी होगी तो हम लोग उसके लिए निश्चित रूप से सहायता करने के लिए तैयार हैं किन्तु यह एयरपोर्ट अथॉरिटी का फंक्शन नहीं है। लेकिन मैं आपको यह जरूर कहूंगा कि जहां तक डेवलपमेंट ऑफ दी ओवर ऑल एयरपोर्ट है, ईस्टर्न रीजन में जिन गिने-चुने दो-चार एयरपोर्ट्स का डेवलपमेंट बड़े पैमाने पर हो सकता है, उसमें निश्चित रूप से भुवनेश्वर का नाम भी सम्मिलित है और होना भी चाहिए— हर तरह से होना चाहिए, औद्योगिक विकास की दृष्टि से, पर्यटन के हिसाब से होना चाहिए। इसके अलावा इतने बड़े राज्य में एक एयरपोर्ट है जो ऑपरेश्नल है, इसलिए उसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन जहा तक रिपेयर यूनिट अथवा दूसरी बातों का प्रश्न है, यह एयरपोर्ट अथॉरिटी के कार्यक्षेत्र की बात नहीं है।

श्री रुद्रनारायण पाणि: क्या आप केवल एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के मंत्री हैं? आप सिविल एविएशन के मिनिस्टर हैं। जो भी प्राइवेट कम्पनी काम करेगी, वह आपके दायरे में आएगी। ...(*Interruptions*)... Are you the Minister of only the Airports Authority of India? ...(*Interruptions*)...

श्री प्रफुल्ल पटेल: आप जो भी कह रहे हैं, मेरे पास हर चीज का जवाब नहीं है लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि भुवनेश्वर एयरपोर्ट का डेवलपमेंट जरूर होगा, आपकी मर्जी के अनुरूप होगा। इसके अतिरिक्त केजुअल वर्कर्स के विषय में जो उन्होंने कहा है, उसके संबंध में मैं कहना चाहता हूं कि वहां पर टेम्पोरेरी कामों के लिए अगर वर्कर्स रखे हुए होंगे, तो उसके लिए मेरे पास जवाब नहीं है। जो लोग एयरपोर्ट अथॉरिटी में कार्यरत हैं ...(व्यवधान)... हर सरकारी महकमें के नियम होते हैं, सरकारी विभागों में किसी को भी, जिस तरह से हम चाहते हैं, उस तरह से नौकरी नहीं दी जा सकती। आफ्टर ऑल उसके गाइडलाइन्स हैं और गाइडलाइन्स के अनुरूप ही काम होगा।

SHRI B.J. PANDA: Sir, I compliment the hon. Minister for his efforts which has led to the growth of air traffic in Orissa. But, some of this growth is very haphazard, and I want him to address this one issue, Sir. For example, from Delhi to Bhubaneswar, we have gone from one flight to four flights a day. But, unfortunately, these flights are dictated not by the infrastructure in Bhubaneswar, but by the infrastructure in Delhi and other places. Lack of bases and lack of slots means that all these four flights are in the morning, and they are all going, mostly, empty because they are all jammed together. For these flights to come later in the day, there are slot shortages in other airports like Delhi. Now, there was a plan in

your Ministry to incentivise airlines to have hubs in smaller airports such as Bhubaneswar. Could you update us on what is happening to incentive airlines to open their hubs in places like Bhubaneswar so that air traffic there can be better targeted for the requirements of that place?

SHRI PRAFUL PATEL: Mr. Chairman, Sir, there is no doubt that new destinations need to be opened up to promote air travel within the country. Only the traditional hubs and the traditional points are no more relevant in today's context. And, as a result, the Government's efforts are always to promote some kind of a regional connectivity and towards that end—my esteemed colleague. Mr. Chidambaram, is sitting here—between his Ministry and our Ministry, there is already a guideline in place where aircraft which are 80-seater and below, and are turbo props get concessional rate of fuel. They pay only four per cent as sales tax on the fuel because that comes as declared goods. There are also landing and parking charges. Navigational charges are not levied on aircrafts below 80-seaters and less, on turbo props. I can assure you that this will, over a period of time, lead to more and more regional connectivity. I am also telling you that you must appreciate as the opening up of the skies has taken place from one aircraft a day to Bhubaneswar, which you yourself raised in this House only one year ago. You are now talking of four flights a day. I am sure with this sector growing further, this issue will also get addressed and after all, as you said—I don't know—your statistics are saying that they are not doing too well, in that all flights are not packing up. I am sure these all are driven by commercial considerations. If an airline will find an afternoon slot or an evening slot more viable. I am sure they will do so. So, the issue here is as the pie is getting bigger, new connections and new destinations are being added to the Indian map. I can count at least ten cities in the last one year, which did not have even one flight a day that have now been brought on to the map of aviation. Last week, I went to Pathankot to start a service at that place. Kangra which is next to it is also going to receive a flight very soon. Dehradun did not have a flight, Gwalior did not have a flight, and Jabalpur did not have a flight. Kanpur—my friend Mahendra Mohanji comes from there—had a flight, but there were some limitations which I am sure can be addressed again. So, it is not an issue. As the aviation pie gets bigger, I am sure, Orissa and Bhubaneswar will not be left out in the growth and in the boom which is coming up.

सुश्री सुशीला तिरिया: श्रीमन्, मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहूंगी कि मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उससे मैं संतुष्ट नहीं हूं, लेकिन मंत्री जी पूरे देश के airports department का डेवलपमेंट कर रहे हैं इसलिए मैं उन्हें congratulations देना चाहती हूं। सर, लेकिन मैं दुख के साथ यह प्रश्न पूछना चाहूंगी कि 10वीं और 11वीं लोक सभा में उस समय की सरकार ने जवाब दिया था कि अंतर्राष्ट्रीय airport डिक्लेयर करने जा रहे हैं, लेकिन अभी इतना लंबा समय बीत गया है, एन.डी.ए. गवर्नमेंट से यू.पी.ए. गवर्नमेंट आ गई है और अभी भी डेवलपमेंट के नाम पर मंत्री जी कह रहे हैं कि कुछ छुटपुट डेवलपमेंट 2010 तक वे करने जा रहे हैं। लेकिन सर, मेरा कहना यह है कि कभी-कभी रन-वे में जब लैंडिंग होती है, कल हम लोक सभा की एक लेडी एम.पी. के साथ आ रहे थे, तो उसने जबरदस्ती मेरा हाथ इतनी जोर से पकड़ा, इतनी तेजी से कि हमें डर लगा कि जैसे उस हवाई जहाज का टायर फट जाएगा। तो क्या आप कृपा करके इंटरनेशनल का दर्जा देने के साथ-साथ, यह दर्जा तो आप 2010 के पहले दे नहीं पाएंगे, क्योंकि कब से डिक्लेयर हुआ है और अभी तक कुछ भी डेवलपमेंट नहीं हो पाया है, तो क्या रन-वे को ठीक करने की आप कृपा करेंगे? साथ ही पैसेंजर्स इतना बोर होते हैं कि एक बेल्ट, जब हम लोक सभा में थे तो हमने डिमांड करके कस्वाई थी, तो उसी बेल्ट में लगेज के लिए हमें एक घंटे से ज्यादा इंतजार करना पड़ता है, तो इंटरनल चीज को ही ठीक करने में बहुत समय लग रहा है।

दूसरे, मैं यह कहना चाहूंगी कि अब Air Deccan और सहारा की फ्लाइट्स भी चलने लगी है और तीन-चार काउंटर्स में पैसेंजर्स को बहुत जल्द, इधर बोर्डिंग चल रहा है और उधर सिक्योरिटी जांच चल रही है, तो इतने कम समय में बोर्डिंग और सिक्योरिटी चैक, सेम टाइम में दो-तीन काउंटर्स में, तो क्या इस तरह से जो इंटरनल एक्सपैंशन है, उसको आप जल्द से जल्द करने का कष्ट करेंगे?

श्री प्रफुल्ल पटेल: माननीय सदस्या ने जो भी असुविधा की बात कही है, उसको दुरुस्त करने के लिए आपने जो भी उपाय सुझाए हैं, उनके लिए हम प्रयत्न करेंगे और जहां तक airports का सवाल है, उसके लिए मैं फिर से आपको कहना चाहता हूं कि airports के बारे में पहली जो योजना है 35 airports की, उसमें है और इसके लिए global technical advisers, बाकी इसमें जो भी कार्यवाही करने की बात है, alreadey हम उसकी प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं मुझे विश्वास है कि 2007 में आप सब माननीय सदस्यों के साथ वहां जाकर हम उसकी नई इमारत और बाकी बहुत सारी फैसलिटीज़ की प्रक्रिया की शुरूआत भी करेंगे। बाकी इसमें कोई दुर्लक्ष्य किसी ने किया है या होने वाला है, ऐसी आशंका कृपा करके मन में न रखें।

Development of Arka Khetra of Konark

*83. MS. PRAMILA BOHIDAR:†
SHRI B.J. PANDA:

Will the Minister of CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government propose to develop Arka Khetra of Konark to make it more attractive for the tourists;

†The question was actually asked on the floor of the House by Ms. Pramila Bohidar.